नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 204
दि. 25.11.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

भारतीय अध्यात्म, इतिहास और अयोध्या की महान सूर्यवंश और रघुकुल परंपराओं का बनेगा राम मंदिर के शिखर फहराया जा रहा ध्वज

(जीएनएस)।

अयोध्या का भव्य राम मंदिर बनकर तैयार है और 25 नवंबर को राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवा विजय ध्वजरोहरण करेंगे। 25 नवंबर को राम मंदिर पर फहराया जाने वाला ध्वज केवल भगवान राम के प्रति भक्तों की अटूट आस्था का प्रतीक नहीं होगा, बल्कि यह भारतीय अध्यात्म, इतिहास और अयोध्या की महान सूर्यवंश और रघुकुल परंपराओं का भी साक्षी बनेगा।

25 नवंबर को मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर ये ध्वजारोहण कर समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस तिथि को भगवान राम और माता सीता का विवाह हुआ था।

भगवा ध्वज की क्या है खासियत?

यह विशेष ध्वज अहमदाबाद की एक कंपनी में बनाया जा रहा है। इसे पैराशूट फैब्रिक और रेशमी धागों से तैयार किया गया है, ताकि यह सूर्य की रोशनी, वर्षा और तेज हवा जैसी प्राकृतिक चुनौतियों का सामना कर सके। ध्वज की लंबाई 22 फीट और चौड़ाई 11 फीट है, जिसे मंदिर के शिखर पर लगे 42 फीट ऊंचे ध्वजदंड पर फहराया जाएगा।

तेज हवा और तेज धूप में भी खराब नहीं होगा ध्वज

ध्वजदंड को 360 डिग्री घूमने वाले चैंबर पर स्थापित किया जाएगा, जिसमें बॉल बेयरिंग्स का उपयोग किया गया है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करेगी कि ध्वज तेज हवाओं में भी सुरक्षित रहे और फटे नहीं। नमी और तापमान के प्रभावों को कम करने के लिए ध्वज को खास तरीके से निर्मित किया गया है, जिससे यह सभी मौसमों में टिकाऊ बना रहे।

इस भव्य ध्वज को बनाने में चार से पांच कारीगरों ने दिन-रात काम किया है। यह तीन लेयर वाले सिल्क साटन से बना है, जिसमें अंदर की लाइनिंग भी है।

इसमें बारीकी से कढ़ाई की गई है, जो इसे एक बेहतरीन रूप और बनावट प्रदान करती है।

ध्वज में त्रेतायुग के तीन मुख्य प्रतीक हैं

ध्वज में त्रेतायुग के तीन मुख्य प्रतीक 'ॐ', 'सूर्य' और 'कोविदार वृक्ष' अंकित हैं। ध्वज का केसरिया रंग धर्म, त्याग और साहस का प्रतीक है। सूर्य प्रतीक भगवान राम के सूर्यवंशी होने को दशार्ता है, जो शौर्य, तेज और पराक्रम की ऊर्जा का परिचायक है।

प्रधानमंत्री ने कबड्डी विश्व कप 2025 जीतने पर भारतीय महिला कबड्डी टीम को बधाई दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज कबड्डी विश्व कप 2025 में शानदार जीत के लिए भारतीय महिला कबड्डी टीम को बधाई दी। श्री मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहाः 'कबड्डी वर्ल्ड कप 2025 जीतकर देश का गौरव बढ़ाने के लिए हमारी भारतीय महिला कबड्डी टीम को हार्दिक बधाई! खिलाड़ियों ने अद्भुत जज्बा, कौशल और समर्पण दिखाया है। उनकी यह जीत अनगिनत युवाओं को कबड्डी अपनाने, बड़ा सपना देखने और ऊंचा लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित करेगी।

'एक युग का अंत', दिग्गज अभिनेता के निधन पर रो पड़ा देश, पीएम मोदी ने कही बड़ी बात

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने 89 साल की अवस्था में दुनिया को अलविदा कह दिया, उनके निधन से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है।

पीएम मोदी ने भी धर्मेंद्र के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि 'धर्मेंद्र जी के जाने से भारतीय सिनेमा में एक युग का अंत हो गया है। वह एक आइकॉनिक फिल्म पर्सनैलिटी थे, एक जबरदस्त एक्टर थे जिन्होंने अपने हर रोल में चार्म और गहराई लाई। जिस तरह से उन्होंने अलग-अलग रोल किए, उसने अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ। धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और प्यार के लिए भी उतने ही जाने जाते थे। इस दुख की घड़ी में, मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत फैंस के साथ हैं।

कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर आज होगा प्रधानमंत्री मोदी का आगमन

(जीएनएस)।

हरियाणा सरकार गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस को चिह्नित करने के लिए ज्योतिसर में एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम की मेजबानी कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाभारत अनुभव केंद्र का उद्घाटन करेंगे और अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में भाग लेंगे।

हरियाणा सरकार द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस पर आज ज्योतिसर (कुरुक्षेत्र) में राज्यस्तरीय समागम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कुरुक्षेत्र पहुंचकर गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सहित अन्य मंत्रीगण और गणमान्य अतिथि भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

प्रधानमंत्री ज्योतिसर स्थित महाभारत अनुभव केंद्र का लोकार्पण करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान पवित्र ब्रह्मसरोवर पर महाआरती में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को समागम स्थल का दौरा किया। उन्होंने मंच, संगत स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग और आगंतुकों की सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी तरह दुरुस्त होनी चाहिए।

गुरु तेग बहादुर जी का अनुपम त्याग

धर्म की रक्षा के लिए श्री गुरु तेग बहादुर जी ने औरंगजेब के अत्याचारों के विरुद्ध अपना शीश न्यौछावर किया। उनके श्रद्धालुओं भाई दयाला जी, भाई सती दास जी और भाई मती दास जी ने भी अद्वितीय बलिदान दिए। कुरुक्षेत्र की पावन भूमि पर आठ गुरु साहिबानों ने अपने चरण रखे हैं और प्रदेशभर में लगभग 28 ऐतिहासिक गुरुद्वारे उनकी स्मृतियों को संजोए हुए हैं।

ज्योतिसर अनुभव केंद्र का लोकार्पण

प्रधानमंत्री मोदी ज्योतिसर में स्थापित अनुभव केंद्र का उद्घाटन करेंगे। यह केंद्र महाभारत की कथा, दर्शन और इतिहास को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से जीवंत करता है। लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से बने इस परिसर में भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य शंख 'पांचजन्य' का भी लोकार्पण होगा।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव

कुरुक्षेत्र में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में प्रधानमंत्री पवित्र ब्रह्मसरोवर पर महाआरती में शामिल होंगे। दीपों की लौ, वेद मंत्रों की गूंज और आस्था की उमंग के बीच होने वाली यह महाआरती भारत की आध्यात्मिक विरासत और कुरुक्षेत्र की वैश्विक पहचान को और अधिक गौरवान्वित करेगी।

सीजेआई के शपथ ग्रहण से गायब रहे लाल किताब लेकर नजर आने वाले राहुल गांधी, भाजपा ने कसा तंज- जंगल सफारी पर होंगे

(जीएनएस)।

24 नवंबर को जस्टिस सूर्यकांत ने 53वें भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। सीजीआई के शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के शामिल न होने की भाजपा ने कड़ी आलोचना की। बीजेपी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की इस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल ना होकर डॉ. बी. आर. अंबेडकर और संविधान का "अनादर" किया है।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस नेता पर देश के शीर्ष नेतृत्व द्वारा उपस्थित एक महत्वपूर्ण संवैधानिक कार्यक्रम को "छोड़ने और बहिष्कार" करने का आरोप लगाया। पूनावाला ने पत्रकारों से कहा कि "आज जब पूरा देश मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण समारोह का एक तरह से जश्न मना रहा था और मोदीजी के नेतृत्व वाली पूरी सरकार इस कार्यक्रम में मौजूद थी, तब उन्होंने इसे छोड़ दिया, इसका बहिष्कार किया।"

उन्होंने आगे टिप्पणी की, "इस गंभीर कार्यक्रम में शामिल होने के बजाय, राहुल गांधी शायद किसी विदेशी यात्रा या जंगल सफारी पर होंगे।"

क्यों भाजपा ने जंगल सफारी का किया जिक्र?

बता दें कुछ दिन पहले नवंबर महीने में राहुल गांधी मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में जंगल सफारी पर गए, जहाँ वे ज़िला अध्यक्षों के लिए आयोजित कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए थे। बिहार चुनाव के दौरान इस यात्रा की भाजपा ने आलोचना की और उन्हें "पाटीर्बाजी का नेता" कहकर उनका मजाक उड़ाया था।

जस्टिस सूर्यकांत, जो अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और बिहार की मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे ऐतिहासिक फैसलों का हिस्सा रहे हैं, को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में शपथ दिलाई।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस बी. आर. गवई के उत्तराधिकारी हैं और वे 9 फरवरी, 2027 तक इस पद पर रहेंगे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल मंगलवार को नवसारी में राज्य के 13वें अत्याधुनिक बस पोर्ट का लोकार्पण करेंगे

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आम लोगों को एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से युक्त बस पोर्ट देने का अभिनव विचार मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में साकार हुआ
- 82 करोड़ रुपए के खर्च से 5025 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्मित अत्याधुनिक बस पोर्ट के लोकार्पण समारोह में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल और राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य रहेंगे मौजूद

गांधीनगर, 24 नवंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल मंगलवार, 25 नवंबर को नवसारी में 82 करोड़ रुपए के खर्च से 5025 वर्ग मीटर क्षेत्र में नवनिर्मित अत्याधुनिक सुविधाओं वाले बस पोर्ट का लोकार्पण करेंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य के बस अड्डों का अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ कायाकल्प करने का विजन दिया है, ताकि आम नागरिकों को भी एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से युक्त बस पोर्ट उपलब्ध हो सकें।

गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) ने राज्य में बनने वाले बस अड्डों को प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप आधुनिक सुविधाओं से युक्त बस पोर्ट के रूप में विकसित करने का दृष्टिकोण अपनाया है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर बनने वाले ऐसे बस पोर्ट में यात्रियों की सुविधा के लिए डीलक्स वेटिंग रूम, आर.ओ. पानी की व्यवस्था, डिपार्टमेंटल स्टोर्स, रिफ्रेशमेंट के लिए कैंटीन, दिव्यांगजनों के लिए व्हील चेयर की सुविधा और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। अब तक राज्य में ऐसे 12 बस पोर्ट बनाए गए हैं।

इतना ही नहीं, बड़े शहरों के बस पोर्ट में मूवी थियेटर, बैंक्वेट हॉल और शॉपिंग मॉल की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल राज्य के 13वें बस पोर्ट का मंगलवार, 25 नवंबर की शाम पांच बजे नवसारी में लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल, राज्य के वित्त एवं शहरी विकास मंत्री तथा नवसारी जिला के प्रभारी मंत्री श्री कनुभाई देसाई, आदिजाति विकास मंत्री श्री नरेशभाई पटेल और परिवहन राज्य मंत्री श्री प्रवीणभाई माली सहित कई विधायक और सांसद उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में सुविधा युक्त बस पोर्ट के निर्माण के चलते राज्य में पर्यटकों के लिए आरामदायक यात्रा अनुभव, व्यापारियों के लिए नए अवसर और युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार एवं करियर के लिए तथा

'वरना हाथ से निकल जाएगी मुंबई', मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने आखिर क्यों दी इतनी बड़ी चेतावनी?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव की तारीखों के ऐलान हो चुका है। इस चुनाव के संपन्न होने के बाद बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव होंगे। चुनावों को लेकर राजनीतिक दल वोटरों को साधने के लिए जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इसी बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों से पहले मुंबई को लेकर बड़ी चेतावनी दे डाली है। राज ठाकरे के इस बयान के बाद चुनावी माहौल और भी गरमा गया है। याद रहे इस बार ठाकरे ब्रदर्स यानी उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की पार्टियां साथ में मिलकर बीएमसी चुनाव लड़ने का मन बना चुकी हैं। हालांकि अभी इसकी अधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

उपराष्ट्रपति को जनजातीय कार्य मंत्रालय की प्रमुख पहलों और उपलब्धियों की जानकारी दी गई

उपराष्ट्रपति ने पिछले 11 वर्षों में जनजातीय कार्य बजट में हुई तीन गुना वृद्धि की सराहना की

उपराष्ट्रपति ने उच्च शिक्षा में जनजातीय नामांकन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय-विद्यालयों के बीच बेहतर संपर्क पर जोर दिया

उपराष्ट्रपति ने जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया से निपटने के लिए मंत्रालय के प्रयासों की सराहना की

(जीएनएस)।

केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम ने आज मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संसद भवन में भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की।

बैठक के दौरान, उपराष्ट्रपति को जनजातीय आबादी के कल्याण के लिए मंत्रालय द्वारा की गई विभिन्न पहलों की जानकारी दी गई। बैठक में दी गई प्रस्तुति में जनजातीय अधिकारों की सुरक्षा के प्रयास, शिक्षा और स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने के उपाय, जनजातीय छात्रों के लिए छात्रवृत्तियाँ, जनजातीय संस्कृति के पुनरुद्धार के लिए कार्यक्रम, वित्तीय सहायता और पारंपरिक कौशल को उद्यम के रूप में बढ़ावा देने सहित आजीविका योजनाएँ, देश भर में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के आधुनिकीकरण और विस्तार की मंत्रालय की योजना, और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, पीएम-जनमन और आदि कर्मयोगी अभियान जैसी प्रमुख योजनाएँ शामिल थीं।

उपराष्ट्रपति को विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के कल्याण के लिए लक्षित पहलों से भी अवगत कराया गया।

जिसमें उनके आवास अधिकारों की सुरक्षा के उपाय भी शामिल हैं।

उपराष्ट्रपति ने पिछले 11 वर्षों में मंत्रालय के बजट परिव्यय में तीन गुना वृद्धि की सराहना की और जनजातीय छात्रों के लिए विदेश में अवसरों सहित गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने की जरुरत पर बल दिया। उन्होंने जनजातीय छात्रों के उच्च शिक्षा में सुचारू प्रवेश के लिए लगातार शैक्षणिक सहायता और निगरानी, स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति को रोकने और विश्वविद्यालयों और स्कूलों के बीच मजबूत संबंध बनाने के महत्व पर भी जोर दिया।

भावनगर मंडल के 2 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने मुंबई स्थित मुख्यालय में 11 कर्मचारियों को सम्मानित किया। इन कर्मचारियों ने अपने सतर्क कार्य से सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित किया। अक्टूबर-2025 माह में सतर्कता बरतने एवं संभावित घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए इन कर्मचारियों को जी.एम. संरक्षा पुरस्कार प्रदान किया गया। सम्मानित कर्मचारियों में मुंबई सेंट्रल-2, वडोदरा-3, रतलाम-1, अहमदाबाद-2, राजकोट-1 एवं भावनगर मंडल से 2 कर्मचारी शामिल हैं। भावनगर मंडल से श्री दिलीप रजक (स्टेशन अधीक्षक - वांसजालिया) और श्री राम प्रसाद मीणा (ट्रैक मैंटेनर-रिबडा) को महाप्रबंधक संरक्षा

पुरस्कार (ऋ्ट रीं३८ अद्१ी) से सम्मानित किया गया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि वे सभी अनुकरणीय आदर्श हैं। कर्मचारियों की उच्च स्तर की प्रतिबद्धता एवं समर्पण ने सुरक्षित रेल संचालन में अहम भूमिका निभाई है। इनमें सुरक्षा से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों जैसे टूटे बोल्ट का पता लगाना, कोच/इंजन के नीचे धुआं एवं चिंगारी का पता लगाना, पटरियों में दरार, ट्रेन के कोचों का अलग हो जाना, टूटा कपलर बॉडी, डिब्बों में लटकते हुए सामान, स्टेशन पर लगे शुरूआती आग को बुझाना, खुले फाटक से पहले आपातकालीन ब्रेक लगाकर दुर्घटना रोकना आदि शामिल हैं।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने सभी कर्मचारियों को बधाई दी एवं प्रशंसा कर भविष्य में भी उत्कृष्ट कार्य करते रहने हेतु प्रोत्साहित किया।

पश्चिम रेलवे सभी सम्मानित कर्मचारियों की त्वरित सोच एवं सतर्कता की सराहना करती है, जिनकी वजह से संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सका।

जामनगर को मिला सौराष्ट्र का सबसे लंबा फ्लाईओवर ब्रिज

- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने जामनगर में 226 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से निर्मित सौराष्ट्र के सबसे लंबे फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण किया
- सुभाष ब्रिज से सात रास्ता सर्किल तक का नया रूट मिलने से नागनाथ जंक्शन, ग्रेन मार्केट, बेडी गेट जैसे क्षेत्रों में यातायात समस्या का निवारण होगा
- 3750 मीटर लंबे इस ब्रिज के अंडरस्पेस में 1200 से अधिक वाहनों के लिए पार्किंग, स्पोर्ट्स एक्टिविटी तथा फूड जोन जैसी सुविधाओं का समावेश

गांधीनगर, 24 नवंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को जामनगर में 226.99 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सौराष्ट्र के सबसे लंबे फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण किया। सात रास्ता सर्किल से सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा तक के इस फोर लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर ब्रिज की लंबाई

4 एप्रोच सहित 3750 मीटर है। मुख्य ब्रिज फोर लेन 16.50 मीटर का है, जबकि इंदिरा मार्ग तथा द्वारका रोड एप्रोच टु लेन 8.40 मीटर के हैं। इस फ्लाईओवर ब्रिज के कारण जामनगर के नागरिकों को द्वारका, रिलायंस, नायरा, जीएसएफसी की ओर तथा राजकोट रोड की ओर आसान परिवहन सुविधा मिलेगी। इससे ब्रिज के नीचे स्थित मुख्य चार जंक्शनों सात रस्ता सर्किल, गुरुद्वारा जंक्शन, नर्मदा सर्किल तथा नागनाथ जंक्शन पर होने वाले यातायात जाम एवं दुर्घटना जैसी समस्याओं से बड़ी राहत मिलेगी, परिणामस्वरूप ईंधन व समय की बचत होगी।

इतना ही नहीं; सुभाष ब्रिज से सात रास्ता सर्किल होकर लाल बंगला सर्किल तक का नया रूट मिलने से नागनाथ जंक्शन, तीन दरवाजा (ग्रेन मार्केट), बेडी गेट जैसे क्षेत्रों में यातायात समस्या का निवारण होगा। इस विकास कार्य के साथ ही ब्रिज के नीचे स्थित अंडरस्पेस को भी नागरिक सुविधा के लिए विकसित किया गया है; जिसमें कुल 61 स्पेस में 1200 से अधिक वाहनों की पार्किंग व्यवस्था (850 टू-व्हीलर्स, 250 फोर-व्हीलर्स, 100 रिक्शा, 100 अन्य तथा 26 बस पार्किंग) शामिल है। इसके अलावा; कुल 4 स्पेस में पे एण्ड यूज टॉयलेट, 1 लोकेशन पर श्रमिक सुविधा केन्द्र (लेबर चौक), 10 स्पेस में स्पोर्ट्स एक्टिविटी, 4 लोकेशन पर वेटिंग/सिटिंग की व्यवस्था और 4 लोकेशन पर फूड जोन की सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई गई हैं।

महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे ने वडोदरा मंडल के तीन कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया

रेलवे के संचालन में संरक्षा सर्वोपरि होती है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक कर्मचारी की सजगता एवं सतर्कता अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने वडोदरा मंडल के तीन रेल कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। ये पुरस्कार अक्टूबर 2025 के दौरान ड्यूटी पर रहते हुए सतर्कता दिखाने और संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टालने में अहम भूमिका निभाने के लिए प्रदान किए गए।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारी (1) श्रीमती परमार हेमलता, पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के करचिया में (फिटर-क),के पद पर कार्यरत हैं। एक वैगन को शेंकवेयर प्लेट के कारण सिक के रूप में चिन्हित किया गया था। वैगन पुनः वापस आने के बाद, श्रीमती हेमलता परमार ने उसी

वैगन में ८ङ्ग्ी टूटा हुआ पाया, जो समय पर न मिलने पर गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकता था। उनकी सतर्कता और समय पर की गई कार्रवाई से एक बड़ी सुरक्षा समस्या टल गई।

(2) श्री एस. के. मल्ल रतनसिंह वागलाभाई मुढेल 'वडोदरा में (ट्रेन मैनेजर), के पद पर कार्यरत हैं। दिनांक11.10.2025 को लगभग 15:38 बजे, जब ट्रेन प्लेटफॉर्म संख्या 6 से रवाना हो रही थी, उन्होंने देखा कि एक यात्री जनरल कोच में चढ़ने की कोशिश कर रहा था और अचानक फिसलकर कोच और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए श्रीमल्ल ने तुरंत ब्रेक प्रेशर छोड़कर ट्रेन को आपातकालीन रूप से रोका, जिससे एक संभावित जानलेवा दुर्घटना टल गई।उन्होंने पब्लिक और आरपीएफ स्टाफ की सहायता से घायल यात्री को सुरक्षित बाहर निकाला और तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ को सौंपा। उनकी समय पर की गई कार्यवाही, सूझबूझ और यात्रियों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता ने एक अमूल्यजीवन की रक्षा की।

(3) श्री देवांग देसाई 'वडोदरा में (एलपीएम), के पद पर कार्यरत हैं। दिनांक 23.10.2025, को पालनपुर - अहमदाबाद सेक्शन के बीच ट्रेन संख्या 16507 के पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी द्वारा फुट-प्लेटिंग निरीक्षण के दौरान, उनका कार्य उत्कृष्ट पाया गया।

टिहरी दुर्घटनाः गुजरात, महाराष्ट्र समेत इन राज्यों के यात्रियों को लेकर पहुंची थी बस, मृतकों की लिस्ट आई सामने

(जीएनएस)।

गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, यूपी समेत कर्नाटक के तीर्थ यात्रियों को लेकर टिहरी जिले के कुंजापुरी मंदिर में दर्शन को आई टूरिस्ट बस हादसे का शिकार हो गई है। बस नरेंद्रनगर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में 29 यात्री सवार थे, जो देश के कई राज्यों के लोगों को लेकर कुंजापुरी मंदिर दर्शन के लिए आए हुए थे।

हादसे की खबर मिलते ही पूरा प्रशासन रेस्क्यू कार्य में जुटा रहा। बताया जा रहा है कि तीर्थ यात्री मां कुंजापुरी के दर्शन कर लौट रहे थे, तभी अचानक बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। मृतकों में चार महिलाएं व एक पुरुष शामिल हैं।

एसडीआरएफ से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को 12 बजे के आसपास थाना क्षेत्र नरेन्द्रनगर के अंतर्गत कुंजापुरी-हिंडोलाखाल के पास एक बस के लगभग 70 मीटर गहरी खाई में गिरने की सूचना मिली। बस में 29 लोगों के सवार होने की संभावना बताई गई।

सूचना पर एसडीआरएफ की कुल पांच टीमें तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर रेस्क्यू कार्य चलाया गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है।

जिनमें चार पुरुष और एक महिला शामिल है। तीन घायलों को एम्स ऋषिकेश और चार घायलों को श्रीदेव सुमन उप जिला चिकित्सालय नरेंद्रनगर में भर्ती कराया गया है। 17 लोग सामान्य है। मृतकों में दिल्ली, सहारनपुर यूपी, महाराष्ट्र, बैंगलुरु और गुजरात के लोग शामिल थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टिहरी के नरेंद्रनगर कुंजापुरी मंदिर के समीप हुई बस दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगतों को श्रीचरणों में स्थान और शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हादसे में घायलों को जिला प्रशासन और रउफ्र द्वारा नजदीकी अस्पताल भेजा जा रहा है, साथ ही गंभीर रूप से घायलों को अक्क्टर ऋषिकेश रेफर किया गया है।

मृतक-

1- अनीता पत्नी नरेश चौहान नि0 222 द्वारिका दिल्ली। उम्र लगभग 50 वर्ष

2- आशु त्यागी पत्नी प्रदीप कुमार उम्र 51 वर्ष नि0 रणखंडी रोड ,धलौला सहारनपुर उ0प्र0।

3- नमिता प्रबोध काले उम्र 58 वर्ष नि0- 227 पुष्पक रामनगर कैम्पस यूनिवर्सिटी नागपुर महाराष्ट्र।

4- अनुजा वेंकटरमन पुत्री वेंकट उम्र 48 वर्ष नि0 बैंगलुरु।

5- पार्थ सारथी मधुसूदन जोशी पुत्र मधुसूदन जोशी उम्र 70 वर्ष नि0- ईशावास्लयम खत्री पोल , बाजवाडा, बडोदरा गुजरात।

भोपाल की 12वीं टॉपर साक्षी पर हाई कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, जानिए कैसे आईएएस बनने की जिद में छोड़ा था घर

"मैं 2030 में आईएएस बनकर ही घर लौटूंगी" - यह वो नोट था जो भोपाल की बजरिया इलाके की रहने वाली 12वीं की मेरिट होल्डर साक्षी ने घर छोड़ते वक्त अपने कमरे में छोड़ा था। 92% अंकों के साथ स्कूल टॉप करने वाली साक्षी का एक ही सपना था - IAS बनना। लेकिन परिवार उसकी शादी तय कर चुका था।

महीनों की जद्दोजहद, समझाने-मनाने और दबाव के बाद जनवरी 2025 में साक्षी ने घर छोड़ दिया। मामला जब मध्य प्रदेश हाई कोर्ट पहुंचा तो जस्टिस गुरपाल सिंह अहलूवालिया की बेंच ने देश में पहली बार ऐसा फैसला सुनाया जो लड़कियों की शिक्षा और सपनों के हक की मिसाल बन गया।

घर से भागने की पूरी कहानी

साक्षी (असली नाम गोपनीय) बजरिया थाना क्षेत्र की एक मध्यमवर्गीय फैमिली की बेटी है। 12वीं में 92 फीसदी अंक लाकर उसने पूरे स्कूल में टॉप किया था। कोचिंग जॉइन करने, दिल्ली या कोटा जाने की बात करती तो घरवाले टाल देते। पिता और बड़े भाई का साफ कहना था - "लड़की को इतना पढ़ाने की जरूरत नहीं, शादी ही उसका भविष्य है।"\

साक्षी ने कई बार समझाया, रोई, गिड़गिड़ाई, लेकिन जब एक अच्छे घर से रिश्ता पक्का हो गया तो उसने फैसला ले लिया। जनवरी 2025 में एक सुबह वह घर से निकली और लौटकर नहीं आई। कमरे में सिर्फ एक नोट छोड़ा -"पापा, मैं IAS बनकर ही लौटूंगी। 2030 तक इंतजार करना। मुझे माफ कर देना।"

हाई कोर्ट में हैबियस कॉर्पस याचिका, पुलिस की तलाश

परिवार ने पहले खुद ढूंढ़ा, रिश्तेदारों के यहां पूछताछ की। जब कुछ पता नहीं चला तो पिता ने हाई कोर्ट में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर कर दी। कोर्ट ने भोपाल पुलिस को सख्त निर्देश दिए। जांच में नोट मिला, फिर साक्षी के मोबाइल की आखिरी लोकेशन, कोचिंग सेंटर्स, लाइब्रेरी सब खंगाले गए।

अंत में सुराग मिला - साक्षी ने इंदौर में अपना आधार कार्ड अपडेट कराया था। पुलिस ने पता लगाया कि वह अब 18 साल की हो चुकी है और इंदौर में एक छोटे से PG में रहकर कोचिंग कर रही है। उसे कोर्ट में पेश किया गया।

कोर्ट रूम में साक्षी ने जो कहा, सब सुनकर खामोश हो गए

जब जज साहब ने साक्षी से पूछा - "घर क्यों नहीं जाना चाहती?"

साक्षी ने बिना डरे, आंखों में आंसू भरकर कहाः "मैंने 92% अंक लिए। पूरा स्कूल मुझे सलाम करता था। लेकिन घर में सिर्फ एक बात थी - शादी। मैंने कहा था कि मुझे IAS बनना है। पापा ने कहा - लड़की को कक्षर बनने की क्या जरूरत? मैंने घर छोड़ दिया क्योंकि मुझे लगा कि अगर अब नहीं भागी तो जिंदगी भर पछताऊंगी। मैं किसी की जिंदगी बर्बाद नहीं करना चाहती, न अपनी, न अपने होने वाले पति की। मैं सिर्फ पढ़ना चाहती हूं।"

हाई कोर्ट का अनोखा और ऐतिहासिक फैसला

जस्टिस गुरपाल सिंह अहलूवालिया की बेंच ने घंटों सुनवाई के बाद यह ऐतिहासिक आदेश दियाः

साक्षी अब बालिग है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसे अपनी जिंदगी चुनने का पूरा हक है।

उसे जबरदस्ती घर नहीं भेजा जाएगा।

पुलिस उसकी सुरक्षा करेगी। उसकी लोकेशन और पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

उज्जैन लोकायुक्त ने बैंक ऑफ इंडिया मनासा शाखा के सब स्टाफ को 15 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों किया ट्रैप

(जीएनएस)।

लोकायुक्त पुलिस की सख्ती एक बार फिर रंग लाई। महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के निर्देश पर उज्जैन लोकायुक्त इकाई ने सोमवार 24 नवंबर 2025 को नीमच जिले के मनासा में बड़ी ट्रैप कार्रवाई की।

बैंक ऑफ इंडिया की मनासा शाखा के सब स्टाफ रुपेश कौशल को 4.90 लाख रुपये के उद्यम क्रांति योजना (टरटए) लोन पास करने के एवज में 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। पूरी कार्रवाई बैंक की शाखा परिसर में ही हुई, जब आवेदिका आंचल नागदा ने रुपेश को नोट गिनवाकर दिए।

शिकायत कैसे आई और ट्रैप कैसे हुआ?

21 नवंबर 2025 को मनासा की रहने वाली आंचल नागदा (पिता लोकेश नागदा, पताः मकान नंबर 273, वार्ड नंबर 19, रामनगर कॉलोनी, मनासा) ने लोकायुक्त पुलिस उज्जैन के एसपी आनंद यादव को लिखित शिकायत दी कि बैंक ऑफ इंडिया मनासा शाखा के सब स्टाफ रुपेश कौशल उनके उद्यम क्रांति योजना के 4.90 लाख रुपये के लोन को पास करने के लिए 15 हजार रुपये रिश्वत मांग रहा है। शिकायत में आंचल ने बताया कि रुपेश ने साफ कह दिया था, "पैसे नहीं दोगी तो फाइल आगे नहीं बढ़ेगी।"

लोकायुक्त ने तुरंत कार्रवाई शुरू कीः

शिकायत का सत्यापन निरीक्षक हिना डाबर ने किया।

फोन पर हुई बातचीत में रुपेश ने फिर 15 हजार रुपये की मांग की, जिसे रिकॉर्ड कर लिया गया।

सत्यापन सही पाए जाने पर 24 नवंबर को ट्रैप की योजना बनाई गई।

सोमवार दोपहर करीब 2 बजे 12 सदस्यीय लोकायुक्त टीम ने बैंक परिसर में घेराबंदी की। आवेदिका आंचल नागदा ने पहले से तय निशान वाले 15 हजार रुपये के नोट रुपेश कौशल को गिनवाकर दिए। जैसे ही रुपेश ने पैसे जेब में डाले, टीम ने दबिश देकर उसे पकड़ लिया। नोटों पर लगा केमिकल पाउडर रुपेश के हाथों पर चमक उठा। पूरी कार्रवाई का वीडियो भी बनाया गया।

लोकायुक्त टीम के जांबाज

कार्रवाई का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक राजेश पाठक ने किया। टीम में शामिल रहेः

निरीक्षक हिना डाबर

श्याम शर्मा

अनिल आॅटोली

हितेश लालावत

उमेश जाटवा

इसरार सहित कुल 12 सदस्य

रुपेश कौशल पर क्या कार्रवाई?

रुपेश कौशल को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7, 13(1)(f), 13(2) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे उज्जैन लेकर आया जा रहा है। मंगलवार को विशेष न्यायालय में पेश किया जाएगा। बैंक मैनेजर से भी पूछताछ की जा रही है कि क्या वे इस गोरखधंधे से अनजान थे या मिले हुए थे।

लोकायुक्त एसपी आनंद यादव का बयान

लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक उज्जैन आनंद यादव ने बताया, "महानिदेशक योगेश देशमुख के निर्देश पर हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। यह इस महीने की चौथी बड़ी ट्रैप है। कोई भी अधिकारी-कर्मचारी हो, रिश्वत लेते पकड़ा गया तो छोड़ा नहीं जाएगा। आम जनता से अपील है कि रिश्वत मांगने वालों की शिकायत करें, उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।"

नीमच-मनासा में हड़कंप

ट्रैप की खबर फैलते ही मनासा कस्बे में हड़कंप मच गया। बैंक के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय व्यापारियों ने कहा, "लोन के नाम पर बैंक वाले महीनों से परेशान करते हैं। आखिर कोई पकड़ा तो गया।" आंचल नागदा ने राहत की सांस लेते हुए कहा, "मैं डर गई थी, लेकिन लोकायुक्त ने इतनी जल्दी कार्रवाई की। अब मेरा लोन भी जल्दी पास हो जाएगा।"

इस महीने उज्जैन लोकायुक्त की चौथी बड़ी कार्रवाई

4 नवंबरः नागदा में तहसीलदार 20 हजार रिश्वत लेते ट्रैप

11 नवंबरः बड़नगर में पटवारी 8 हजार लेते पकड़ा

18 नवंबरः उज्जैन में नगर निगम का बाबू 10 हजार लेते धराया

24 नवंबरः मनासा में बैंक सब

रिंग से उठकर बना लिया साम्राज्य! कुलदीप सिंह कीपा बने भारत के सबसे बड़े बॉक्सिंग प्रमोटर

(जीएनएस)।

कुलदीप सिंह कीपा ने राष्ट्रीय स्तर के मुक्केबाज से भारत के सबसे प्रभावशाली बॉक्सिंग प्रमोटर बनने तक का सफर तय किया है। आज वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक मुकाबले आयोजित कर रहे हैं और भारतीय बॉक्सिंग प्रतिभाओं को वैश्विक मंच पर पहुंचा रहे हैं। बादियाला (बठिंडा) के निवासी और भारतीय सेना के पूर्व जवान कीपा ने 2008 में अपने पेशेवर बॉक्सिंग करियर की शुरूआत की थी।

लेकिन 2014 में सिर की चोट के कारण रिटायरमेंट लेने के बाद उन्होंने तुरंत प्रमोशन और मैनेजमेंट के क्षेत्र में कदम रखा। यह निर्णय जिसने भारतीय प्रोफेशनल बॉक्सिंग का पूरा परिदृश्य बदल दिया। अब तक कीपा सैकड़ों भारतीय बॉक्सरों का प्रबंधन कर चुके हैं और 50 से अधिक देशों अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, ओशियानिया और एशिया में फाइटर्स के साथ व्यक्तिगत रूप से यात्रा कर चुके हैं।

उनके प्रबंधित फाइटर्स ने दुनिया के सबसे बड़े बॉक्सिंग स्टार्स के साथ एक ही कार्ड पर मुकाबला किया है। इसका सबसे प्रमुख उदाहरण है नीराज गोयत का मुकाबला, जब उन्होंने 15 नवंबर 2024 को माइक टायसन बनाम जेक पॉल के अंडरकार्ड पर ब्राजीलियाई स्टार विंडरसन नूनेस का सामना किया था।गोयत ने भारत-

मैक्सिको के ऐतिहासिक मुकाबले में जोस जेपेडा के खिलाफ भी हिस्सा लिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बॉक्सिंग पहचान और मजबूत हुई।

कीपा ने विश्वप्रसिद्ध प्रमोटरों जैसे बॉब एरम (टॉप रैंक), ऑस्कर डी ला होया (गोल्डन बॉय प्रमोशन्स), फ्रैंक वॉरेन (क्वींसबेरी प्रमोशन्स) और एडी हर्न (मैचरूम बॉक्सिंग) के साथ काम किया है। वे हइउ, हइअ, हइड, क्हड और क्ह्त्र जैसी सभी प्रमुख विश्व बॉक्सिंग संस्थाओं के साथ संबंध बनाए हुए हैं और 2014-15 से अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं।

प्रमोशन के अलावा कीपा ने भारतीय सिनेमा में भी अपना योगदान दिया है। उन्होंने फ्फ्फ्र (राम चरण), मुक्काबाज (विनीत कुमार), तूफान (फरहान अख्तर), साला खड़ूस (आर. माधवन) और घनी (वरुण तेज) जैसी फिल्मों में बॉक्सिंग दृश्य कोरियोग्राफ किए और अभिनेताओं को प्रशिक्षण दिया।नीराज गोयत के मुकाबले के दौरान कीपा का प्रेरक पंजाबी भाषण सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें उनके जुनून और अपने फाइटर्स के प्रति समर्पण स्पष्ट झलका।फिलहाल कीपा हर महीने भारतीय बॉक्सरों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर दिला रहे हैं।

वे दुनिया भर के प्रमोटरों के साथ सहयोग करके भारतीय प्रतिभाओं को लगातार मंच प्रदान कर रहे हैं।कुलदीप सिंह कीपा का कहना है, "मेरा मिशन भारतीय बॉक्सिंग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। हर फाइटर को विश्व मंच पर मौका मिलना चाहिए, और मैं इसे संभव बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित हूं।"ऐतिहासिक मुकाबलों और मिलियन-डॉलर फाइट्स का आयोजन कर, कुलदीप सिंह कीपा भारत को वैश्विक प्रोफेशनल बॉक्सिंग मानचित्र पर और अधिक मजबूती से स्थापित कर रहे हैं।

कॉर्बेट और राजाजी टाइगर रिजर्व में होगी हाथी की सफारी, जानिए कब, कहां, कैसे और कितने में होगी सफारी

(जीएनएस)।

जंगल सफारी रोमांच का शौक रखने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। टाइगर रिजर्व में नया रोमांच देखने को मिलेगा। कॉर्बेट और राजाजी में एलिफेंट सफारी को मंजूरी मिल गई है। जिसके बाद दिसंबर से ढिकाला बिजरानी जोन में हाथी सफारी का रोमांच देखने को मिलेगा।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व से इस ठंड के सीजन में पर्यटकों के लिए खुशखबरी आई है। वर्षों से बंद पड़ी हाथी सफारी को आखिरकार फिर से अनुमति मिल गई है। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व अपनी जैव विविधता, रॉयल बंगाल टाइगर और रोमांचक जंगल सफारी के लिए प्रसिद्ध है।

वर्ष 2018 में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत पार्क में हाथियों के व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगा दी थी। उसी आदेश के बाद

हाथी सफारी पूरी तरह बंद कर दी गई थी।

जिसके बाद से कई लोगों पर रोजगार का संकट भी आ गया था। स्टेट वाइल्डलाइफ बोर्ड की जून 2024 में हुई बैठक में इसके लिए हरी झंडी दी गई थी। विभागीय औपचारिकता पूरी होने के बाद अब इसे लागू किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार हाथी सफारी ढिकाला और बिजरानी, दोनों प्रमुख जोन में शुरू की जाएगी। दोनों जगह सुबह और शाम की शिफ्ट में हाथी सफारी होगी। ढिकाला में 2 हाथियों से सफारी कराई जाएगी और पर्यटकों के लिए दो रूट निर्धारित किए गए हैं। इन रूटों पर सफारी के दौरान पर्यटक रामगंगा नदी, घने जंगल, विशाल ग्रासलैंड और कई वन्यजीवों का बेहद नजदीकी अनुभव ले सकेंगे।

बिजरानी जोन में 1 हाथी के माध्यम से 2 रूट तय किए गए हैं। यहां भी दो घंटे की सफारी कराई जाएगी।

हाथी सफारी के टिकट पार्क के रिसेप्शन सेंटर से उपलब्ध होंगे। टिकट वितरण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

भारतीय पर्यटकों के लिए ₹1000 प्रति व्यक्ति जबकि विदेशी पर्यटकों के लिए ₹3000 प्रति व्यक्ति शुल्क तय किया गया है।

एक हाथी में अधिकतम बच्चों के साथ 5 लोग बैठ सकते हैं।

सफारी की अवधि 2 घंटे निर्धारित की गई है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

ताजा दायित्व बंटवारे बिहार डिप्टी सीएम को मिला गृह विभाग

सम्राट चौधरी को मिलना नीतीश सरकार के मंत्रियों के विभागों के बंटवारे के साथ ही शुक्रवार को बिहार की सत्ता में बड़ा परिवर्तन दिखा। 2005 के बाद से लगातार गृह विभाग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार संभाल रहे थे, जो आमतौर पर सभी मुख्यमंत्री अपने पास ही रखते हैं पर ताजा दायित्व बंटवारे में यह महत्वपूर्ण विभाग उनसे छीना गया है और गृहमंत्री अमित शाह के विश्वास पात्र सम्राट चौधरी को दिया गया है। इससे इन अटकलों को जोर मिला है कि बिहार पर भाजपा का पूरा नियंत्रण हो चुका है और नीतीश कुमार महज रिमोट मुख्यमंत्री बन गए हैं। भाजपा की वर्षो से यही कोशिश रही कि बिहार का कंट्रोल उसके हाथ में आ जाए। इसी उद्देश्य से चुनाव से पहले भाजपा ने यह घोषणा नहीं की थी कि नीतीश ही अगले मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा के इस उद्देश्य की प्राप्ति में अभी पूरी सफलता नहीं मिली है। चुनाव नतीजों ने साबित कर दिया कि बिहार में नीतीश आज भी सबसे कद्दावर नेता हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस मजबूरी के चलते नीतीश को भाजपा की यह शर्त माननी पड़ी कि गृह विभाग उनके पास नहीं होगा, भाजपा अपने पास रखेगी और नीतीश को झुकना पड़ा। इस तरह अमित शाह के विश्वासपात्र सम्राट चौधरी को उपमुख्यमंत्री पद के साथ-साथ गृह मंत्रालय भी मिल गया। अगर यह कहा जाए कि अब नीतीश रिमोट मुख्यमंत्री हैं तो गलत शायद न हो। असल कंट्रोल तो दिल्ली से ही होगा। अब तमाम प्राशासन, पुलिस, कानून व्यवस्था इत्यादि सम्राट चौधरी के हाथ में होगी। बिहार में लालू राज समाप्त होने के बाद नीतीश कुमार नवम्बर 2005 में सत्ता में आए। उसके बाद लगातार 20 साल से गृह विभाग उनके पास था। लालू राज के जिस जंगलराज की बात इस चुनाव में कानून व्यवस्था स्थापित कर दहशत के उस दौर को समाप्त किया और शांति व्यवस्था लागू करवाने में नीतीश का विशेष योगदान रहा। अपराध पर नकेल कसी, फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए, पुलिस को खुली छूट दी। सख्त कानून व्यवस्था के जरिए यह अवधारणा बनी कि अपराधी चाहे जितना भी बड़ा क्यों न हो, सियासी दबदबा भी रखता हो, कानून की नजर से कोई नहीं बच सकता। सुशासन का प्रादेश में ऐसा माहौल बना कि नीतीश कुमार सुशासन बाबू ही कहलाने लग गए। दो दशक के दौरान बिहार में कोई बड़ा दंगा भी नहीं हुआ। नीतीश कुमार को इस बार गृह विभाग न मिलना चौंकाने वाला जरूर है। लोग इसका मतलब तलाश रहे हैं। क्या भाजपा यह संकेत दे रही है कि मजबूरी के चलते नीतीश को मुख्यमंत्री तो बना दिया पर कितने दिन तक वह इस पद पर टिके रहेंगे इस पर अटकलों का बाजार गर्म है। पर शपथ ग्राहण से पहले नीतीश को यह समझा दिया गया था कि चूंकि भाजपा की सीटें जद(यू) से ज्यादा हैं इसलिए गृह विभाग तो हमारे पास ही रहेगा। नीतीश कुमार ने अपने पैरों पर पहले ही कुल्हाड़ी मार ली थी इसलिए इसे स्वीकार करने के अलावा उनके पास शायद कोई और विकल्प नहीं रहा होगा। पर नीतीश मंझे हुए खिलाड़ी हैं वह इतनी आसानी से हार मानने वाले नहीं हैं। क्या निकट भविष्य में बिहार में कोई नया खेला भी देखने को मिल सकता है। वैसे भाजपा को गृह मंत्रालय मिलने से राज्य में अपराधियों पर तो नकेल कसेगी ही लेकिन यदि वैसा नहीं हुआ तो उसका असर भी उल्टा हो सकता है। गृह विभाग भाजपा को मिलने से पाटा विरोधियों खासकर आरजेडी और कांग्रोस में बेचैनी बढ़नी स्वाभाविक है। अंत में जन सुराज पाटा के संस्थापक प्राशांत किशोर ने आरोप लगाया कि बिहार में नीतीश कुमार सरकार की नई कैबिनेट भ्रष्ट और अपराधियों से भरी है। यह मंत्रिपरिषद बिहार के लोगों के मुंह पर एक तमाचा है।

शिक्षा में सबसे बड़ा सुधार होने वाला है! क्या है हायर एजुकेशन बिल? क्या होगा आपके कॉलेज पर असर

(जीएनएस)।

भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था अगले कुछ महीनों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में सरकार हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल 2025 पेश करने जा रही है। जिसके जरिए देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को एक नई दिशा दी जाएगी। संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। पूरे सत्र के दौरान 15 बैठकें होंगी।

इस बिल के तहत अलग-अलग संस्थाओं (UGC, AICTE, NCTE) को खत्म कर उन्हें एक ही कमीशन में जोड़ने का प्रावधान है। इसका मकसद कॉलेज और यूनिवर्सिटी को ज्यादा फ्रीडम देना और सिस्टम को पारदर्शी बनाना है। यह बिल न सिर्फ मौजूदा शिक्षा ढांचे को नया रूप देगा, बल्कि कॉलेजों और यूनिवर्सिटियों के कामकाज में भी बड़ा फेरबदल कर सकता है। इसे लेकर छात्र से लेकर शिक्षक तक सभी की नजरें इस पर टिकी हुई हैं कि आखिर यह नया कानून उच्च शिक्षा का भविष्य कैसे बदलने वाला है।

◆ सरकार इस बिल के जरिए देश की तीन बड़ी संस्थाओं - UGC, AICTE और NCTE - को एक ही छतरी के नीचे लाने की तैयारी कर रही है। यह पहली बार नहीं है जब ऐसा प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इस बार इसे NEP 2020 की सिफारिशों के आधार पर बनाया गया है।

◆ अभी तक देश में तीन अलग-अलग संस्थाएं उच्च शिक्षा को नियंत्रित करती हैं , UGC (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन) जो सामान्य उच्च शिक्षा देखती है, AICTE (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) जो इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट जैसे तकनीकी कोर्स संभालती है और NCTE जो शिक्षक प्रशिक्षण से जुड़े कोर्स की मान्यता तय करती है। ळएउक बिल के तहत इन तीनों की जगह एक ही बड़ा रेगुलेटर बनाया जाएगा।

◆ इससे नियम एक जगह से बनेंगे और कॉलेजों को अलग-अलग एजेंसियों के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि मेडिकल और लॉ की पढ़ाई इस बिल के दायरे में नहीं आएगी। मतलब, एक ही नियम, एक ही ढांचा और एक ही निगरानी तंत्र।

◆ लोकसभा बुलेटिन के मुताबिक HECI Bill 2025 का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों को स्वायत्त बनाना, पारदर्शी मान्यता प्रणाली लागू करना और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना है। सरकार इसे देश की शिक्षा व्यवस्था के सबसे बड़े सुधार के रूप में पेश कर रही है।

◆ नया आयोग तीन काम करेगा-नियम बनाना, कॉलेजों की मान्यता और पढ़ाई के स्तर और गुणवत्ता के नियम। ध्यान रहे, फंडिंग अभी भी सरकार ही तय करेगी, ळएउक के पास यह अधिकार नहीं होगा। NEP 2020 ने भी सुझाव दिया था कि ऊंची शिक्षा के लिए एक ही

मजबूत रेगुलेटर होना चाहिए, जिससे व्यवस्था सरल और पारदर्शी हो सके। ळएउकइ'' 2025 उसी दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

संसद का शीतकालीन कब से कब तक? कितनी होगी बैठकें क्या-क्या होंगे मुद्दे, हर डिटेल

Winter Session: संसद का शीतकालीन कब से कब तक? कितनी होगी बैठकें क्या-क्या होंगे मुद्दे, हर डिटेल

☐ NEP 2020 का मॉडलः HECI के चार स्तंभ

नई शिक्षा नीति HECI को चार महत्वपूर्ण वर्टिकल्स में बांटती है ताकि पूरी व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके।

1. National Higher Education Regulatory Council

मेडिकल और लॉ को छोड़कर सभी क्षेत्रों का नियमन करेगा।

2. National Accreditation Council

कॉलेजों और यूनिवर्सिटियों की मान्यता सुनिश्चित करेगा।

3. General Education Council

अलग-अलग कोर्सेज के learning outcomes तय करेगा।

4. Higher Education Grants Council

फंडिंग से जुड़ा काम देखेगा, हालांकि फैसले सरकार के हाथ में रहने की उम्मीद है।

NEP के मुताबिक HECI एक छोटा लेकिन प्रभावी निकाय होगा जिसमें ऐसे विशेषज्ञ होंगे जिनका सार्वजनिक सेवा में बेहतरीन रिकॉर्ड और अनुभव हो।

☐ बदलाव क्यों जरूरी बताया जा रहा है?

अभी की शिक्षा व्यवस्था पर अक्सर 'अत्यधिक नियंत्रण' और 'कई संगठनों की उलझन' जैसी शिकायतें होती रही हैं। कई बार कॉलेजों को अलग-अलग नियमों और अनुमतियों के जाल में फंसना पड़ता है। NEP 2020 ने भी माना था कि मौजूदा सिस्टम में अत्यधिक शक्ति कुछ संस्थाओं में केंद्रित है और जवाबदेही कम है। ळएउक बिल एक पारदर्शी और सरल व्यवस्था बनाने का दावा करता है, जिससे संस्थान अधिक स्वायत्त और आत्मनिर्भर बन सकें।

☐ क्या आपके कॉलेज पर होगा असर?

अगर यह बिल पास होता है तो कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया आसान और पारदर्शी होगी, बेहतर ग्रेडिंग सिस्टम आने की संभावना है। कोर्स डिजाइन, सीखने के परिणाम और गुणवत्ता नियंत्रण केंद्रीकृत होंगे, कई पुराने नियम और अनुमति प्रक्रियाएं खत्म हो सकती हैं। सरकार का कहना है कि इससे कॉलेज 'स्व-शासित' बनेंगे और शिक्षा का स्तर सुधरेगा।

☐ पहले भी हो चुका है ऐसा प्रयास - 2018 का विवादित बिल

साल 2018 में भी वक्रछ्र को बदलने के लिए एक बिल लाया गया था, लेकिन उसमें अकउळए और ठउळए शामिल नहीं थे। उस बिल का भी उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को सरल बनाना था, पर उसमें ळएउक को फंडिंग का अधिकार नहीं दिया गया था और कई फैसलों में केंद्र सरकार की भूमिका अत्यधिक बताई गई थी।

स्टेकहोल्डर्स ने तब इसका कड़ा विरोध किया था। चिंता यह थी कि इससे राज्यों का अधिकार कम होगा, विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता प्रभावित होगी और पूरी प्रणाली 'अत्यधिक केंद्रीकृत' हो जाएगी।

☐ ळएउक 2025 पर विपक्ष की चिंताएं क्या हैं

विपक्षी दलों, कई राज्य सरकारों और शिक्षा विशेषज्ञों ने कई बिंदुओं को लेकर सवाल उठाए हैं।

ज्यादा केंद्रीकरण का डरः कई लोग मानते हैं कि ळएउक की संरचना में राज्यों की भूमिका कम होगी और केंद्र का नियंत्रण ज्यादा बढ़ जाएगा।

सामाजिक प्रतिनिधित्व पर सवालः 2018 में भी यह आरोप लगा था कि वंचित वर्गों का प्रतिनिधित्व लगभग नहीं के बराबर था।

फंडिंग पैटर्न में बदलाव की आशंकाः कुछ राज्यों ने चिंता जताई थी कि केंद्र की ओर से मिलने वाली 100% फंडिंग आगे जाकर 60:40 मॉडल में बदल सकती है।

राज्य और केंद्र के नियमों के बीच टकरावः संसदीय समिति ने भी कहा था कि नए बिल से राज्य विश्वविद्यालय दोहरे नियमों के बीच फंस सकते हैं।

बॉलीवुड के लिए दर्द भरा रहा 2025! धर्मेंद्र समेत इन कलाकारों ने कहा दुनिया से अलविदा

(जीएनएस)।

2025 में बॉलीवुड और हिंदी सिनेमा के कई प्रतिष्ठित कलाकारों ने इस दुनिया को अलविदा कहा, और उनके योगदान ने हमेशा भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक अमिट छाप छोड़ी। आइए जानते हैं उन प्रमुख कलाकारों के बारे में जिनकी मौत 2025 में हुई, उनकी तारीख और उनके जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में।

1. मनोज कुमार -

4 अप्रैल 2025 दिग्गज अभिनेता और निर्देशक मनोज कुमार, जिन्हें 'भारत कुमार' के नाम से भी जाना जाता था, का निधन 4 अप्रैल 2025 को हुआ। वे सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर आधारित फिल्मों के लिए प्रसिद्ध थे। 'उत्तम जीवन', 'कर्मभूमि' और 'दीवार' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय और निर्देशन ने उन्हें भारतीय सिनेमा का एक प्रेरणास्पद चेहरा बनाया। मनोज कुमार का निधन एक युग के अंत जैसा था, क्योंकि उन्होंने पीढ़ियों को फिल्मों के माध्यम से जागरूक किया।

2. मुकुल देव -

23 मई 2025 मुकुल देव, जिनका अभिनय फिल्मों और टेलीविजन दोनों में रहा, का निधन 23 मई 2025 को हुआ। उन्होंने 'सोनिया और अर्जुन', 'सत्यमेव जयते' जैसी फिल्मों में अपनी पहचान बनाई। टीवी शो में भी उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा, और उनके किरदार दर्शकों के बीच लंबे समय तक याद किए गए।

3. अच्युत पोतदार -

18 अगस्त 2025 वरिष्ठ अभिनेता अच्युत पोतदार का निधन 18 अगस्त 2025 को हुआ। वे अपनी यादगार भूमिकाओं के लिए जाने जाते थे, खासकर '3 इडियट्स' में उनके 'केहना क्या चाहते हो' संवाद ने उन्हें दर्शकों की आंखों में हमेशा के लिए बसाया। उनका अभिनय विनम्रता और सहजता का मिश्रण था, जो उन्हें हर पीढ़ी के दर्शकों के लिए प्रिय बनाता था।

4. पंकज धीर -

15 अक्टूबर 2025 टीवी और फिल्मों के जाने-माने अभिनेता पंकज धीर का निधन 15 अक्टूबर 2025 को हुआ। उन्हें सबसे अधिक 'महाभारत' में कर्ण के किरदार के लिए याद किया जाता है। उनका प्रदर्शन और स्क्रीन प्रजेंस ने उन्हें भारतीय टेलीविजन इतिहास में एक अमिट स्थान दिलाया।

5. गोवर्धन असरानी -

अमिताभ, शाहरुख से ज्यादा हिट फिल्में, फिर क्यों नहीं मिला धर्मेंद्र को 'सुपरस्टार का टैग'

(जीएनएस)।

24 नवंबर की सुबह 89 वर्ष की उम्र में धर्मेंद्र के निधन की खबर ने करोड़ों दिलों को झकझोर दिया। 8 दिसंबर को वह अपना 90वां जन्मदिन मनाने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही यह करिश्माई सितारा आसमान में खो गया। छह दशकों से भी लंबी अपनी फिल्मी यात्रा में धर्मेंद्र ने रोमांस, एक्शन, कॉमेडी और सीरियस किरदार दिए।

उन्होंने सिर्फ बॉक्स ऑफिस नहीं जीते, बल्कि कई पीढ़ियों के दिलों पर राज किया। अपने अब तक के जीवन में 75 से भी ज्यादा सुपरहिट फिल्मों के बावजूद, उन्हें कभी "सुपरस्टार" का तमगा नहीं दिया गया। जानिए क्या है इसके पीछे की कहानी...

64 साल का करियर, 75 सुपरहिट फिल्म

80 के दशक में धर्मेंद्र ने अपने स्टारडम को एक नए मोड़ पर ले जाकर एक्शन फिल्मों की ओर रुख किया। इस दौरान कम बजट वाली कई फिल्में जैसे 'बदले की आग', 'घुलामी', 'लोहा', 'एलान-ए-जंग' बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। यही वह दौर था जब धर्मेंद्र को 'ही-मैन' कहा जाने लगा।

64 साल लंबे करियर में धर्मेंद्र ने

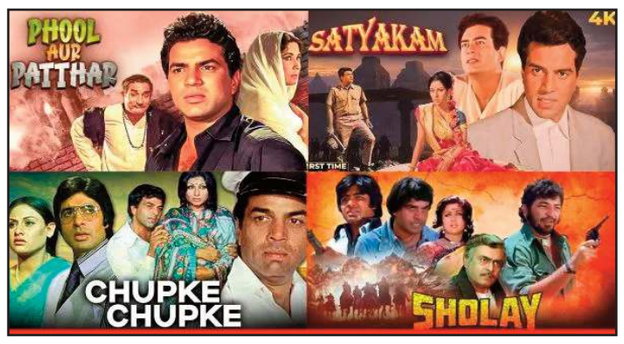

कुल 75 सुपरहिट फिल्में दीं। अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना, शाहरुख खान या सलमान खान-सभी से ज्यादा हिट धर्मेंद्र ने अकेले दी हैं।

क्यों नहीं कहा गया 'सुपरस्टार'?

यह सवाल हमेशा से फैंस के मन में रहता है कि इतनी बड़ी सफलता के बावजूद धर्मेंद्र को सुपरस्टार क्यों नहीं कहा गया। इसके पीछे कई वजहें हैंः

1. 70 के दशक में सोलो हीरों का ट्रेंड

धर्मेंद्र की कई मेगाहिट फिल्में- 'शोले', 'यादों की बारात', 'मेरा गाँव मेरा देश', 'धर्म वीर'-दो या अधिक हीरो वाली थीं। इस समय इंडस्ट्री का "सुपरस्टार" टैग दिलीप कुमार से राजेश खन्ना और फिर अमिताभ बच्चन जैसे सोलो एक्टर को मिल चुका था। जबकि धर्मेंद्र अक्सर एंसेंबल फिल्मों में दिखाई देते रहे।

2. 80 के दशक के सोलो हिट छोटे स्केल की फिल्में

80२ में उनके सोलो एक्शन फिल्में हिट रहीं, लेकिन इनमें से कई कम बजट वाली थीं। वहीं अमिताभ बच्चन या विनोद खन्ना की फिल्में लगातार बड़ी बजट और बड़े कैनवास पर बनती थीं। इस वजह से धर्मेंद्र की फिल्मों का "मैग्निट्यूड" कम आंका गया।

3. खूब हिट, लेकिन फ्लॉप भी बहुत

धर्मेंद्र ने 6 ब्लॉकबस्टर, 7 सुपरहिट और कुछ दर्जन हिट फिल्में दीं। लेकिन वहीं, उन्होंने लगभग 150 फ्लॉप फिल्मों में भी काम किया-जो किसी भी टॉप स्टार में सबसे ज्यादा है। इस वजह से उनकी "सुपरस्टार" वाली छवि उतनी मजबूत नहीं बन पाई।

4. फिल्मों का ज्यादा साइन करना

धर्मेंद्र ने एक इंटरव्यू में कहा था, "मुझे फिल्में बहुत पसंद हैं। मैं मौका मिलते ही फिल्म साइन कर लेता हूँ। कई बार पता होता है फिल्म नहीं चलेगी, फिर भी मैं अपना 100% देता हूं। लोगों को मुझे एक्शन करते देखना पसंद है तो मैं क्यों रुकूं?"

बेटी की शादी में स्टेज पर झूम रहे स्मृति मंधाना के पिता, फिर ऐसा क्या हुआ कि आया हार्ट अटैक? डांस वीडियो वायरल

(जीएनएस)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। मंधाना और सिंगर पलाश मुच्छल की शादी उस वक्त टल गई, जब रविवार, 23 नवंबर को स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना को हार्ट अटैक के लक्षणों के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। शादी का समारोह महाराष्ट्र में स्मृति के गृहनगर सांगली में होना था।

दुख की इस घड़ी में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें श्रीनिवास मंधाना को संगीत समारोह के दौरान डांस परफॉर्म करते हुए देखा जा सकता है। यह वीडियो दिखाता है कि शादी की खुशियां पूरे परिवार में कितनी उत्साह भरी थीं। एक अन्य वायरल वीडियो में स्मृति और पलाश मुच्छल भी बॉलीवुड हिट 'तेनु लेके' पर डांस करते नजर आए थे।

इस क्लिप को स्मृति की साथी

खिलाड़ी शेफाली वर्मा ने शेयर किया था। जिसमें बाद में जेमिमा रोड्रिग्स, श्रेयंका पाटिल, यास्तिका भाटिया, अरुंधति रेड्डी और राधा यादव सहित टीम के अन्य सदस्य भी शामिल हुए थे। स्मृति मंधाना के मैनेजर तुहिन मिश्रा ने मीडिया को श्रीनिवास मंधाना के स्वास्थ्य की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुबह नाश्ते के दौरान मंधाना के पिता श्रीनिवास को तबीयत खराब महसूस होने लगी। जब हालत में सुधार नहीं हुआ, तो हमने तुरंत एम्बुलेंस बुलाई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां वह अभी निगरानी में हैं।

हेल्थ को लेकर डॉक्टर ने क्या कहा?

मिश्रा ने आगे कहा कि चूंकि स्मृति अपने पिता से बहुत प्यार करती हैं, उन्होंने फैसला किया है कि जब तक उनके पिता पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते, तब तक शादी स्थगित रहेगी। उन्होंने सभी से परिवार की निजता का सम्मान करने का आग्रह किया है। पारिवारिक डॉक्टर डॉ. नमन शाह ने बताया कि रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे श्रीनिवास मंधाना को बाईं ओर सीने में दर्द हुआ, जिसे मेडिकल भाषा में 'एनजाइना' कहा जाता है। एउऱ्र और अन्य रिपोर्ट्स में 'कार्डियक एंजाइम' बढ़े हुए पाए गए हैं, इसलिए उन्हें लगातार निगरानी में रखा जा रहा है।

महज 201 रनों पर ढेर हुई भारतीय टीम, कप्तान पंत से हुआ ब्लंडर, बल्लेबाजों ने किया सरेंडर

(जीएनएस)।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन भारतीय बल्लेबाजी पूरी तरह से बिखर गई। टीम इंडिया अपनी पहली पारी में मात्र 201 रन पर सिमट गई और फॉलोऑन बचाने के लिए जरूरी 289 रन भी नहीं बना पाई। हालांकि, साउथ अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भारत को फॉलोऑन नहीं खिलाने का फैसला किया है और टीम फिर से बल्लेबाजी करेगी।

टॉप ऑर्डर फिर रहे फ्लॉप

भारतीय टीम की बल्लेबाजी बेहद निराशाजनक रही। 95 रन पर यशस्वी जायसवाल का विकेट गिरने के बाद टीम का पतन शुरू हो गया और स्कोर 122 रन तक आते-आते भारत ने सात विकेट गंवा दिए। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने सर्वाधिक 58 रन की पारी खेली। केएल राहुल (22), साई सुदर्शन (15), कप्तान ऋषभ पंत (7), रवींद्र जडेजा (6) और नितीश रेड्डी (10) जैसे बल्लेबाज सस्ते में पवेलियन लौट गए। ध्रुव जुरेल अपना खाता भी नहीं खोल सके।

क्ठऊ५२ रअ 1

वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप

यादव ने संभाला

जब टीम 122 पर सात विकेट गंवा चुकी थी, तब वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने मिलकर सातवें विकेट के लिए 72 रन की अहम साझेदारी की। सुंदर ने 92 गेंदों पर 48 रनों की जुझारू पारी खेली, लेकिन वह अर्धशतक से चूक गए। उनके आउट होते ही भारतीय पारी 201 रन पर सिमट गई। साउथ अफ्रीका के लिए गेंदबाजी में ऑलराउंडर मार्को जानसेन ने कहर बरपाया। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अकेले छह विकेट झटके और भारतीय बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया।

जानसेन के अलावा साइमन हार्मर को तीन और केशव महाराज को एक विकेट मिला। पहले दो दिन गेंदबाजी करने और आधे दिन में बल्लेबाजी में ढहने के बाद अब भारतीय टीम को एक बार फिर गेंदबाजी के लिए उतरना होगा। साउथ अफ्रीका के पास पहली पारी के आधार पर 288 रनों की बड़ी बढ़त है, जिससे मैच पर उसकी पकड़ मजबूत हो गई है।

पंत ने किया रिव्यू बर्बाद

साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत का बल्लेबाजी प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में कप्तानी कर रहे पंत नंबर पाँच पर बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन अपनी पारी को लंबा नहीं खींच पाए। वह केवल आठ गेंदों पर सात रन बनाकर आउट हो गए। मार्को जानसेन की एक गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर सीधे विकेटकीपर के दस्तानों में समा गई। साउथ अफ्रीका की अपील पर अंपायर ने उन्हें तुरंत आउट दे दिया।

हालांकि, आउट होने के बाद, ऋषभ पंत ने तुरंत डीआरएस (DRS) लेने का फैसला किया। लेकिन रीप्ले में साफ हो गया कि गेंद ने उनके

नाती-पोतों से मिलने गए कनाडा गए दादा ने लड़कियों से की छेड़खानी, सरकार ने वापस खदेड़ा भारत!

(जीएनएस)।

भारत से आए एक नागरिक को सरनिया में दो किशोरियों का आपराधिक उत्पीड़न करने के आरोप में देश से निकाला जाएगा। 51 साल के जगजीत सिंह पर कनाडा में स्थायी रूप से दोबारा प्रवेश करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। वह जुलाई में अपने नवजात पोते से मिलने कनाडा पहुंचे थे।

हाई स्कूल के बाहर किशोरियों से की छेड़खानी

कनाडा पहुंचने के बाद सिंह सरनिया के एक स्थानीय हाई स्कूल के बाहर धूम्रपान क्षेत्र में अक्सर जाने लगे। पुलिस के अनुसार, 8 से 11 सितंबर के बीच उन्होंने बार-बार लड़कियों से संपर्क किया, उनसे ड्रग्स और शराब के बारे में बात करने की कोशिश की, और उनके साथ तस्वीरें लेने पर जोर दिया।

लड़कियों को जबरन पकड़ने की कोशिश

शिकायतकताओं में से एक ने बताया कि उसने पहले तस्वीर लेने से इनकार किया, लेकिन सिंह के हटने की उम्मीद में वह मान गई। आरोप है कि सिंह "उसके निजी दायरे में घुस आया" और उसे अपनी बाहों में लेने की कोशिश की, जिससे लड़की असहज हो गई और उसने उसे दूर धकेल दिया।

स्कूल छोड़ने के बाद भी किया पीछा

जांचकताओं ने बताया कि सिंह अंग्रेजी नहीं बोलता, फिर भी वह स्कूल परिसर छोड़ने के बाद भी छात्राओं का पीछा करता रहा। पुलिस ने उसे 16 सितंबर को गिरफ्तार किया और यौन उत्पीड़न एवं यौन हमले के आरोप लगाए। हालांकि उसे जमानत मिल गई, लेकिन दूसरी शिकायत आने के बाद उसे उसी दिन दोबारा गिरफ्तार किया गया।

ट्रांसलेटर न मिलने के कारण एक रात और हवालात में

दुभाषिए की अनुपलब्धता के कारण सिंह को एक रात और पुलिस हिरासत में रहना पड़ा। 19 सितंबर को उसने यौन उत्पीड़न के आरोप में खुद को निर्दोष बताया, लेकिन आपराधिक उत्पीड़न के हल्के आरोप में दोषी माना।

जज ने कोर्ट में की तबीयत से खिंचाई

जस्टिस क्रिस्टा लिन लेजचिंस्की ने समय-सेवा की सजा स्वीकार की, लेकिन सख्त टिप्पणी भी की। उन्होंने कहा, "आपको उस हाई स्कूल की संपत्ति में आने का कोई अधिकार नहीं था," और यह व्यवहार "बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"

नौ दिन की कस्टडी, तीन साल का प्रोबेशन

विन्निपेग सन की रिपोर्ट के अनुसार, सिंह को नौ दिनों की प्री-प्ली कस्टडी के बराबर छोटी जेल की सजा और तीन साल के प्रोबेशन का आदेश दिया गया।

रंगदारी मांगने वाला रच रहा मन गढ़न कहानी कौशाम्बी पुलिस को कर रहा गुमराह

(जीएनएस)।

कौशांबी । संदीपनघाट थाना क्षेत्र के मूरतगंज निवासी रेहान अहमद पुत्र नौशाद अहमद ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कौशांबी को शिकायती पत्र देकर बताया कि बह शुक्रवार की शाम अपने साथी इस्तियाक अहमद के साथ भरवारी बाजार मे घरेलू सामान लेने गया था, उसी दौरान पुलिस के द्वारा प्रार्थी के मोबाइल में फोन आया कि एक व्यक्ति का आरोप है कि रेहान व इस्तियाक ने हमे रास्ते में रोककर मारा पीटा व जाति सूचक शब्दो का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी. पुलिस से सूचना मिलते ही हम और हमारे साथी पुलिस के बताये स्थान पक्का तालाब मूरतगंज पर पहुंचे, तो वहां पर 112 नम्बर पुलिस मौजूद थी. पुलिस के द्वारा जांच करने के बाद ऐसी कोई घटना नहीं हुई है, पुलिस वालो ने हमे जाने को कहा तो हम अपने घर चले

आए, तो करीब शाम 7 बजे सोशल मीडिया के माध्यम से पता चला है कि प्रार्थी और उसके साथियों पर दबंग द्वारा थाना कोखराज के अन्तर्गत गाली गलौज, मारपीट व छीनैती का झूठा मनगढन्त आरोप लगाया है । पीड़ित रेहान के मुताबिक उसके व उसके साथी इस्तियाक पर लगाए गए आरोप मनगढन्त, और निराधार है। बल्कि दबंग पेशेवर अपराधी है, जो लोगो को फर्जी झूठे मुकदमे में फंसाकर रंगदारी के रूप में पैसो की मांग करता है साथ ही जो पैसा नहीं देते उन पर फर्जी एससीएसटी जैसी गम्भीर धाराओ में फर्जी तरीके से फंसाने की धमकी देता है। व झूठे आरोप लगाकर एक गैंग के रूप में भोले भाले किस्म के व्यापारी प्रवृत्ति के लोगो को फर्जी तरीके से फंसाने व मुकदमा पंजीकृत कराने व मारपीट करने, फर्जी बलात्कार आदि के मुकदमो में फंसाने की धमकी देकर धन उगाही का कार्य करते है। पीड़ित रेहान का आरोप है कि दबंग अपने गुर्गो के माध्यम से यह कहलाता है कि अगर 5 लाख नगद और एक आवासीय प्लाट हमे दोगे तो हम तुम्हारे ऊपर लिखित मुकदमा वापस कर लेगे, और रास्ते मे नही आयेगें। यदि पैसो नही दोगे तो इतने फर्जी मुकदमे दर्ज करा देगे तुम लोगो का गांव में रहना दूभर हो जायेगा । पीड़ित की शिकायत पर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है ।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का रक्तरंजित शव सड़क किनारे मिला

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, पुलिस सड़क हादसा मानकर कर रही जांच

खखरेरू/फतेहपुर । थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह एक युवक का रक्तरंजित शव सड़क किनारे मिलने से सनसनी फैल गई। गुरसंडी–खागा मार्ग पर बसवा मोड़ के पास पड़े शव को सबसे पहले सौंच क्रिया को जा रहे ग्रामीणों ने देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला संदिग्ध होने के चलते कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान धर्मेंद्र कुमार लोधी (28 वर्ष) पुत्र स्व. छोटेलाल निवासी बहेरी हार थाना खागा के रूप में हुई है। धर्मेंद्र सब्जी बेचकर अपने परिवार का भरण–पोषण करता था। शुक्रवार की शाम वह खैरई बाजार में सब्जी बेचने के बाद घर से करीब 9:00 बजे नंदापुर गांव में राम सुमेर की लड़की के शादी कार्यक्रम में शामिल होने गया था।

उसी कार्यक्रम में धर्मेंद्र का अपने साले मनोज (निवासी केशव रायपुर केवटमई) से किसी बात को लेकर विवाद भी हुआ था। वहां मौजूद लोगों ने मामला शांत कराकर दोनों को घर जाने के लिए भेज दिया था। इसके बाद धर्मेंद्र घर नहीं लौटा। रातभर परिजन फोन करते रहे लेकिन संपर्क नहीं हो सका। मृतक के भाई मुरारी ने बताया कि लुधियाना में रहने के दौरान मृतक धर्मेंद्र एवं मनोज के बीच पूर्व में भी मारपीट हुई थी

सुबह ग्रामीणों से सूचना मिलने पर परिजन घटनास्थल पहुंचे तो धर्मेंद्र का शव खून से लथपथ हालत में सड़क किनारे पड़ा मिला। शव की स्थिति देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

शर्ट के बटन टूटे होने से—परिजनों की हत्या की आशंका

मृतक की शर्ट के कई बटन टूटे मिले, चप्पल घटनास्थल पर नहीं मिले जिससे परिजनों ने आशंका जताई कि—

धर्मेंद्र के साथ पहले मारपीट की गई

उसके सिर पर किसी भारी वस्तु से वार किया एवं गले में गहरी चोट के निशान मौजूद रहे।

बाद में सड़क हादसा दिखाने के लिए शव को सड़क किनारे फेंक दिया गया

धर्मेंद्र की मौत की खबर मिलते ही पत्नी गुड़िया देवी, पुत्री वैष्णवी, 6 माह की मासूम वैशाली बड़े भाई मुरारी और भतीजे सुभाष का रो–रो कर बुरा हाल है। परिवार और पूरे गांव में शोक की लहर है।

पुलिस सड़क हादसा मानकर कर रही जांच

घटना के संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि प्रथम द्रष्टया मामला सड़क हादसे जैसा प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

पड़ोसी युवक की हरकतों से परेशान महिला ने थाने में दी शिकायत, कार्रवाई की मांग

खखरेरू, फतेहपुर। नगर पंचायत क्षेत्र की निवासी राजमती पत्नी स्वर्गीय चंद्रबली ने अपने पड़ोसी युवक पर गंभीर आरोप लगाते हुए खखरेरू थाने में शिकायती पत्र दिया है। महिला ने बताया कि सोमवार दोपहर लगभग 2 बजे वह पड़ोस में खड़ी होकर बातें कर रही थीं, तभी पड़ोस का सुमेर सोनकर पुत्र स्वर्गीय हीरालाल पीछे से जानबूझकर धक्का देकर निकल गया। विरोध करने पर उसने महिला को भद्दी–भद्दी गालियां दीं।

महिला और परिवार की बेटियों को करता है परेशान

शिकायत में बताया गया है कि आरोपी आए दिन घर की महिलाओं और बेटियों को परेशान करता है। परिवार की बेटियां जब छत पर बैठी होती हैं, तो वह नीचे खड़े–खड़े अश्लील हरकतें करते हुए पेशाब करता है। दो दिन पहले उसने महिला की भौजाई से मोबाइल नंबर मांगकर भी उन्हें परेशान किया था। इससे तंग आकर महिला थाने पहुंची और कार्रवाई की मांग की।

पुलिस जांच में जुटी

इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। सत्यापन के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फन का रॉकस्टार सीजन थ्री ने लखनऊ में मचाया धमाल

फन रिपब्लिक मॉल में तीन दिवसीय म्यूज़िक फेस्ट में स्कूल, कॉलेज और प्रोफेशनल बैंड्स ने दिखाया जलवा

लखनऊः शहर के पसंदीदा शॉपिंग डेस्टिनेशन फन रिपब्लिक मॉल में तीन दिवसीय 'फन का रॉकस्टार सीजन–3ह्ल का सफल आयोजन किया गया। इस म्यूजिक फेस्ट–कम–कम्पटीशन में शहर के स्कूल, कॉलेज और प्रोफेशनल—तीनों कैटेगरी के बैंड्स ने अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। दिल सम्भल जरा, वो भी अपने न हुए, प्रीत की लत, बादशाह ओ बादशाह जैसे गानों ने माहौल को संगीतमय कर दिया। इसके बाद शिव तांडव ने माहौल को गर्म कर दिया और लोगों के हाथ अपने आप भोलेनाथ की श्रद्धा में बंध गए।

स्कूल बैंड की परफॉर्मेंस में विजेता – इश्क एक्सप्रेस (ला मार्टिनियर), पहला उपविजेता – नूरे (जयपुरिया), दूसरा उपविजेता – एलपीसी बैंड रेंजर्स (एलपीसी स्कूल) बात करें अगर कॉलेज बैंड की तो विजेता – एनम कारा द बैंड (भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय) पहला उपविजेता – हाई नोट द बैंड (इंटीग्रल यूनिवर्सिटी) दूसरा उपविजेता – अलंकार (आईईटी) और अंत में प्रोफेशनल बैंड में विजेता – फितूर बैंड, पहला उपविजेता – टीम नाद रोग, दूसरा उपविजेता – आरएस म्यूज़िक बैंड और वाणी लाइव बैंड रहे।

प्रथम विजेता को 15,000, द्वितीय विजेतको 10,000 एवं तृतीय विजेता को 5,000 साथ ही आकर्षक ट्रॉफियाँ भी प्रदान की गईं।

फन रिपब्लिक मॉल के जनरल मैनेजर अश्विनी सिंह ने कहाः'भारत में संगीत का अपना विशेष महत्व है। हमारी संस्कृति में संगीत हमेशा से प्रेरणा और उत्साह का माध्यम रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मॉल में 'फन का रॉकस्टार सीजन–3ह्ल का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल, कॉलेज और प्रोफेशनल बैंड्स ने शानदार प्रदर्शन किया। मॉल आगे भी ऐसे संगीतमय कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, ताकि शहर के लोगों को कला और संगीत का बेहतरीन अनुभव मिलता रहे ह्व

हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव 2025 ये शाम मस्तानी सांग पर झूमे श्रोता।

24 नंबर 2025:

लखनऊ । कानपुर रोड आशियाना क्षेत्र स्मृति उपवन में चल रहे माँ गायत्री जन सेवा संस्थान एवं नीशू वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वाधान में हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव में अध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह व रणवीर सिंह, गुंजन वर्मा और हेमू चौरसिया ने सांस्कृतिक संध्या का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव 2025 पांचवी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मोहम्मद उस्मान सिद्दीकी एवम सहयोगी ने अपने–अपने सुरमई आवाजों से महोत्सव की शाम को यादगार बनाया। सांस्कृतिक संध्या का आरंभ ये शाम मस्तानी..... उस्मान सिद्दीकी, अभिषेक द्विवेदी और अभिनव पांडे ने अपनी खनकती आवाजों से बिखेरा जादू। तदुपरांत आज की रात मेरे दिल की सलामी ले ले.....अकदस कुरैशी, आपके प्यार में हम संवरने लगे...अंकिता सिंह व मेरे दिल में आज क्या है....अभिषेक द्विवेदी ने सांग से दशकों को मंत्र मुग्ध किया। कार्यक्रम के अगले सोपान में हर किसी को नहीं मिलता प्यार जिंदगी में... विनी शर्मा द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। वहीं महबूब मेरे महबूब मेरे.... उस्मान और अंकिता सिंह की युगल बंदी ने श्रोताओं का दिल जीता। हिंदुस्तान महोत्सव में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा मयूरी लोक कला मंच द्वारा सांस्कृतिक एवं लोकगीत लोक नृत्य का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसके दल नेता रमेश कुमार उर्फ अंश वह प्राजंलि पटेल सिमरन आरोही की महक लोक नृत्य पर सीमा वर्मा उनके ग्रुप के लोग प्रस्तुति दी। इस अवसर पर महोत्सव समिति के रोली सिंह चौहान,मोनालिसा, मनोज सिंह चौहान आदि उपस्थित रहे। मंच का संचालन प्रदीप शुक्ला द्वारा किया गया।

दूरसंचार विभाग ने नागरिकों को आईएमईआई से छेड़छाड़ और इसके दुरुपयोग के परिणामों के बारे में आगाह किया

नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने मोबाइल कनेक्शन और हैंडसेट को सत्यापित और सुरक्षित करने के लिए संचार साथी मोबाइल ऐप और पोर्टल का उपयोग करें

(जीएनएस)।

भारत में मोबाइल कनेक्टिविटी के तेज विकास के साथ, उपकरणों के अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान (आईएमईआई) नंबर जैसे दूरसंचार पहचानकर्ताओं का दुरुपयोग एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। नागरिकों और दूरसंचार नेटवर्क की सुरक्षा के लिए, केंद्र सरकार ने इन विशिष्ट उपकरण पहचानकर्ताओं के साथ छेड़छाड़ और इनके दुरुपयोग के विरुद्ध कानूनों को और मजबूत किया है।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने सभी नागरिकों को दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत सख्त कानूनी प्रावधानों की याद दिलाई जो छेड़छाड़ किए गए आईएमईआई नंबर वाले उपकरणों को बदलने या उपयोग करने पर रोक लगाते हैं।

प्रमुख कानूनी प्रावधानः

दूरसंचार अधिनियम, 2023 में मोबाइल हैंडसेट और अन्य उपकरणों के आईएमईआई (अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान) नंबर सहित दूरसंचार पहचानकर्ताओं के साथ छेड़छाड़ करने पर कठोर दंड का प्रावधान है।

धारा 42(3)(सी) विशेष रूप से दूरसंचार पहचानकर्ताओं से छेड़छाड़ पर रोक लगाती है, जबकि धारा 42(3)(ई) धोखाधड़ी, छल या छद्मवेश के माध्यम से ग्राहक पहचान मॉड्यूल (सिम) या दूरसंचार

पहचानकर्ता प्राप्त करने पर रोक लगाती है।

धारा 42 (3) (एफ) में कहा गया है कि मोबाइल हैंडसेट, मॉडेम, मॉड्यूल, सिम बॉक्स आदि जैसे किसी भी रेडियो उपकरण को जानबूझकर अपने पास रखना, यह जानते हुए कि इसमें अनधिकृत या छेड़छाड़ किए गए दूरसंचार पहचानकर्ताओं का उपयोग किया गया है, भी एक अपराध है।

नियमों के उल्लंघन के लिए दंड में तीन साल तक की कैद, 50 लाख रुपये तक का जुमार्ना, या दोनों शामिल हैं। ये अपराध अधिनियम की धारा 42(7) के तहत संज्ञेय और गैर–जमानती हैं। धारा 42(6) में ऐसे अपराधों को बढ़ावा देने या बढ़ावा देने वालों के लिए समान दंड का प्रावधान है।

दूरसंचार (दूरसंचार साइबर सुरक्षा) नियम, 2024 किसी भी व्यक्ति को आईएमईआई में परिवर्तन करने या ऐसे उपकरण का उपयोग/उत्पादन/अधिग्रहण करने से रोकता है जिसमें आईएमईआई को बदला जा सकता है।

नागरिकों को निम्न चीजों से बचना चाहिएः

छेड़छाड़ किए गए आईएमईआई नंबर वाले मोबाइल उपकरणों का उपयोग करना

मॉडेम, मॉड्यूल, सिम बॉक्स आदि जैसे उपकरणों का उपयोग, खरीद या संयोजन करना, जिनमें कॉन्फि गर करने योग्य या छेड़छाड़ किए गए आईएमईआई हों

नकली दस्तावेजों, धोखाधड़ी या छद्मवेश के माध्यम से सिम कार्ड प्राप्त करना

अपने नाम पर खरीदे गए सिम कार्ड को अन्य लोगों को हस्तांतरित करना या सौंपना जो उनका दुरुपयोग कर सकते हैं

ऐसे मोबाइल एप्लिकेशन या वेबसाइट का उपयोग करना जो कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) या अन्य दूरसंचार पहचानकर्ताओं को संशोधित करते हैं

जो नागरिक अपने नाम पर सिम कार्ड खरीदते हैं और साइबर धोखाधड़ी में दुरुपयोग के लिए दूसरों को देते हैं, उन्हें भी अपराधी माना जाएगा।

नागरिकों को पता होना चाहिए कि छेड़छाड़ किए गए आईएमईआई नंबर वाले उपकरणों का इस्तेमाल करना, धोखाधड़ी से सिम कार्ड हासिल करना, या अपने सिम कार्ड किसी ऐसे व्यक्ति को देना या हस्तांतरित करना जो साइबर धोखाधड़ी के लिए उनका दुरुपयोग करता है, गंभीर कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। मूल उपयोगकर्ता को भी अपराधी माना जा सकता है, अगर उनके नाम पर खरीदे गए सिम कार्ड का बाद में दुरुपयोग किया जाता है।

रिपोर्टिंग और सत्यापन

नागरिक https:// ceir. sancharsaathi. gov.in/ Device/ SancharSaathiKym.jsp पर संचार साथी पोर्टल या ब्रांड नाम, मॉडल नाम और निमार्ता की जानकारी प्रदर्शित करने वाले संचार साथी मोबाइल ऐप का उपयोग करके आईएमईआई विवरण सत्यापित कर सकते हैं। सरकार ने संचार साथी पहल भी लागू की है, जो नागरिकों को अपने मोबाइल कनेक्शन सत्यापित और सुरक्षित करने के लिए डिजिटल उपकरण प्रदान करती है। सरकार ने दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने और सभी नागरिकों के लिए एक सुरक्षित दूरसंचार परितंत्र सुनिश्चित करने के लिए सख्त जांच व्यवस्था लागू की है।

कम नहीं हो रहा भारतीय क्रिकेट स्टार स्मृति मंधाना का दर्द! पिता के बाद होने वाले पति भी हुए अस्पताल में भर्ती? बिगड़ी तबीयत

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट स्टार स्मृति मंधाना के लिए मैदान से बाहर मुश्किलों का दौर जारी है। एक तरफ जहां उनके पिता श्रीनिवास मंधाना हार्ट अटैक के लक्षणों के बाद अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं अब खबर आई है कि उनके मंगेतर पलाश मुच्छल को भी कुछ समय के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह खबर सामने आने के बाद लगातार फैंस इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

पलाश मुच्छल को मिली अस्पताल से छुट्टी

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार पलाश मुच्छल को वायरल संक्रमण और एसिडिटी की शिकायत के बाद एक निजी अस्पताल ले जाया गया था। हालांकि, उनकी हालत गंभीर नहीं थी और उन्हें जल्दी ही डिस्चार्ज कर दिया गया। पलाश अब टीम होटल लौट चुके हैं। पलाश मुच्छल की सेहत में सुधार होने के बाद उन्हें डॉक्टरों ने घर पर जाकर आराम करने की सलाह दी है।

पिता की सेहत पर आया अपडेट

स्मृति मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना अभी भी डॉक्टरों की निगरानी में हैं। पारिवारिक डॉक्टर डॉ. नमन शाह ने पीटीआई को बताया कि श्रीनिवास मंधाना को दोपहर करीब 1:30 बजे बाईं ओर सीने में दर्द (जिसे मेडिकल भाषा में 'एनजाइना' कहते हैं) हुआ था। शुरूआती जांच में उनके 'कार्डियक एंजाइम' बढ़े हुए पाए गए हैं, इसलिए उन्हें लगातार निगरानी में रखा जा रहा है। वह फिलहाल स्थिर हैं और स्वस्थ हो रहे हैं।

अभी शादी की तारीख तय नहीं

परिवार में इस दोहरी स्वास्थ्य समस्या के कारण जोरों–शोरों से चल रही शादी की तैयारियां अचानक रुक गईं। स्मृति मंधाना ने खुद फैसला किया है कि जब तक उनके पिता पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते तब तक शादी नहीं होगी। यही कारण है कि शादी की नई तारीख अभी तक घोषित नहीं की गई है, और समारोह को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है।

पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर स्मृति और पलाश के प्री–वेडिंग सेलिब्रेशन (मेहंदी, हल्दी और संगीत) की तस्वीरें और वीडियो छाए हुए थे। यहां तक कि दोनों पक्षों की टीमों के बीच एक मजेदार क्रिकेट मैच भी आयोजित किया गया था, जिससे पता चलता है कि शादी से पहले परिवार में कितनी खुशी का माहौल था। हालांकि, अब परिवार का ध्यान पूरी तरह से श्रीनिवास मंधाना के स्वास्थ्य पर केंद्रित है। क्रिकेट जगत और फैंस इस मुश्किल घड़ी में उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

स्वयंभू के मेकर्स का बड़ा ऐलान! निकिल सिद्धार्थ स्टारर पैन इंडिया फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में होगी रिलीज!

मुम्बई, एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कुछ बेहतरीन टेक्निशियन और क्रिएटर्स डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी, ङ्क्षह्र और सलार के म्यूजिक डायरेक्टर रवि बसरूर, बाहुबली और फ्फ्फ के सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंटिल कुमार, बाहुबली के एडिटर तम्मिराजू और कई अन्य प्रतिभाशाली कलाकार, सब मिलकर इस बड़ी फिल्म को बना रहे हैं, जिसकी शूटिंग 170 दिनों तक चली। फिल्म को पिक्सल स्टूडियोज के भूवन और श्रीकर ने प्रोड्यूस किया है! दिन की सबसे बड़े ऐलान का वक्त आ गया है, क्योंकि कार्तिकेय फ्रेंचाइज के पीछे चेहरा रहे निखिल सिद्धार्थ अब एक अलग ही अंदाज की ऐतिहासिक महागाथा स्वयंभू के साथ लौट रहे हैं। हम देखते हैं कि वो बिल्कुल शानदार और भव्य अंदाज में नजर आ रहे हैं, और फिल्म का ऐलान भी एक रैप–अप वीडियो के जरिए किया गया है, जो किसी प्रोजेक्ट को पेश करने का सच में अनोखा तरीका है। इसमें फिल्म की भव्यता, दमदार एक्शन, शानदार स्टार कास्ट और एक आम आदमी की उस महाकथा की झलक मिलती है, जो आगे बढ़कर एक योद्धा बन जाता है। निखिल, जिन्होंने पैन–इंडिया सुपरहिट कार्तिकेय 2 से पूरे देश में पहचान बनाई, अब अपनी महत्वाकांक्षी 20वीं फिल्म स्वयंभू के साथ फिर से दर्शकों को बांधने आ रहे हैं। बड़े पैमाने पर बन रही यह ऐतिहासिक एक्शन फिल्म भरत कृष्णमाचारि द्वारा निर्देशित है, और इसे भूवन और श्रीकर पिक्सेल स्टूडियोज के तहत बना रहे हैं, जबकि टैगोर मधु इसे पेश कर रहे हैं। बेहतरीन प्रोडक्शन वैल्यू और दमदार

पैन–इंडिया सोच के साथ, स्वयंभू निखिल की अब तक की सबसे खास फिल्मों में से एक बन रही है। आज मेकर्स ने बड़ा अपडेट दिया है, यह बताते हुए कि इस भव्य फिल्म का शूट आधिकारिक तौर पर पूरा हो चुका है। दो साल की मेहनत और 170 दिनों की लंबी शूटिंग के बाद, टीम ने गर्व के साथ इसकी समाप्ति की घोषणा की है। भारत के समृद्ध इतिहास और उसकी अनन्त शान को सलाम करने वाली यह एपिक फिल्म स्वयंभू इस महा शिवरात्रि यानी 13 फरवरी 2026 को दुनिया भर के थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है। इस अनुभव को चुनौती भरा और रोमांचक बताते हुए, निखिल ने राइज ऑफ स्वयंभू नाम के रिलीज डेट अनाउंसमेंट वीडियो में इस सफर के बारे में बात की, जिसमें दुनिया बनाने और फिल्म के भव्य निर्माण की झलक मिलती है। जो एक फिल्म के रूप में शुरू हुआ था, वह जल्दी ही एक बड़े विश्व में बदल गया, जिसे कई एकड़ में बने विशाल सेट्स और शानदार मेहनत से तैयार किया गया। करोड़ों की लागत और प्रोड्यूसर भूवन और श्रीकर की पूरी लगन के सहारे, टीम एक ही लक्ष्य लेकर आगे बढ़ी और वो थी इस अनोखी कहानी को बड़े पर्दे पर शानदार तरीके से पेश करना।

भारत की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी स्वयंभू उन कहानियों में जाती है जो अब तक कहीं नहीं बताई गईं, ऐसी बातें जो सिर्फ राजा–महाराजाओं और युद्धों की आम कहानियों से कहीं आगे बढ़ती हैं। इसके बीच में एक ऐसे जबरदस्त योद्धा की गाथा है, जिसकी बहादुरी ने एक पूरा समय बदल दिया। वीडियो में निखिल अपने घोड़े मारुति को भी दिखाते हैं और बताते हैं कि उनकी बड़ी फिल्म बनाने में किस शानदार टीम ने मेहनत की है। इस मुश्किल रोल को असली तरह से निभाने के लिए निखिल ने अपने शरीर में बड़ा बदलाव किया और खूब मेहनत वाली ट्रेनिंग की। उन्होंने हिंदी वर्जऩ में अपनी आवाज भी खुद ही दी, ताकि कहानी और भी सच जैसी लगे। https://youtu.be/VvmfrixI9z0?si=f4ksyTpqWCsGTXaE फिल्म में साम्युक्था और नाभा नटेश फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। कैमरा का काम विजुअल मास्टर ड्ड सेंथिल कुमार ने संभाला है, जो बाहुबली, फ्फ्फ जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर चुके हैं। संगीत का जिम्मा रवि बस्रूर ने लिया है, जो ङ्क्षह्र और सालार के लिए भी म्यूज़िक बना चुके हैं। प्रोडक्शन डिजाइन एम. प्रभाहरण और रवींद्रा ने किया है, जिन्होंने बड़ी मेहनत से फिल्म की शानदार दुनिया तैयार की है। अब जब फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है, स्वयंभू का सफर शुरू हो गया है, और इस तरह से पैन–इंडिया फिल्म के लिए लोगों की उत्सुकता तेजी से बढ़ रही है।